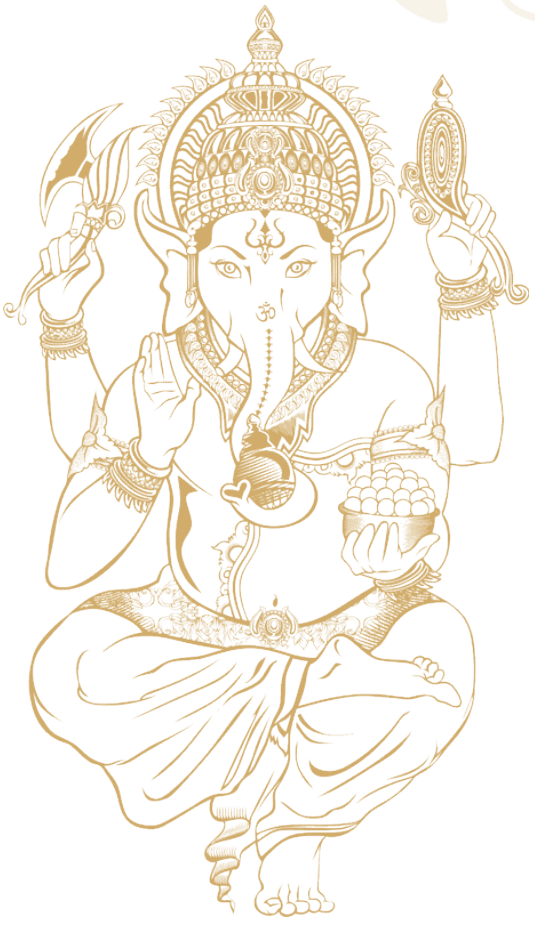

Punit jain

Nikita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121682302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/05/1996	जन्म तिथि	12/11/1996
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 07:25:00	जन्म समय	13:00:00 घंटे
घटी 03:31:55	जन्म समय(घटी)	15:14:10 घटी
India	देश	India
Jodhpur	स्थान	Vellore
26:18:00 उत्तर	अक्षांश	12:56:00 उत्तर
73:08:00 पूर्व	रेखांश	79:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:28	स्थानिक संस्कार	-00:13:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:00:14	सूर्योदय	06:11:08
19:09:18	सूर्यास्त	17:44:08
23:48:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:48

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 4वर्ष 11मा 9दि		10:15:37	वृष	लग्न	कुंभ	04:35:01	शनि 8वर्ष 3मा 19दि	
राहु		17:10:28	मेष	सूर्य	तुला	26:22:59	केतु	
10/04/2008		16:44:32	कन्या	चंद्र	वृश्चि	10:50:22	03/03/2022	
11/04/2026		04:55:39	मेष	मंगल	सिंह	13:14:32	03/03/2029	
राहु	22/12/2010	04:28:16	वृष	बुध	वृश्चि	02:28:42	केतु	30/07/2022
गुरु	17/05/2013	23:49:43	धनु	गुरु	धनु	20:54:24	शुक्र	30/09/2023
शनि	23/03/2016	28:18:27	वृष	शुक्र	कन्या	22:58:23	सूर्य	04/02/2024
बुध	10/10/2018	08:54:03	मीन	शनि व	मीन	07:11:30	चन्द्र	04/09/2024
केतु	29/10/2019	23:16:00	कन्या	राहु व	कन्या	13:29:02	मंगल	01/02/2025
शुक्र	29/10/2022	23:16:00	मीन	केतु व	मीन	13:29:02	राहु	19/02/2026
सूर्य	22/09/2023	10:45:09	मक	हर्ष	मक	07:17:47	गुरु	26/01/2027
चन्द्र	23/03/2025	03:56:44	मक व	नेप	मक	01:32:06	शनि	06/03/2028
मंगल	11/04/2026	08:30:32	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	08:40:55	बुध	03/03/2029

लग्न-चलित

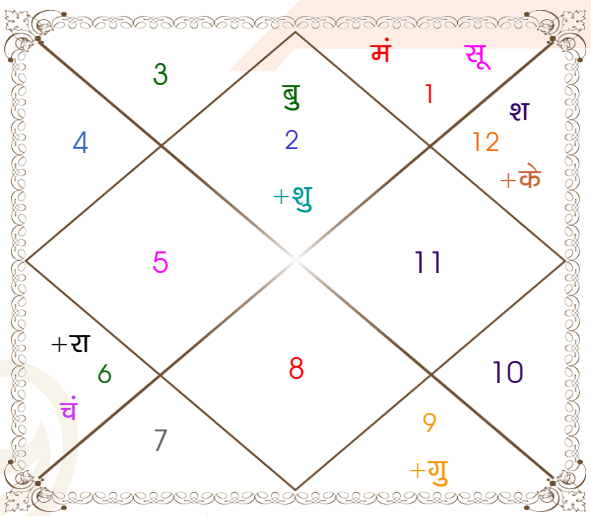

लग्न-चलित

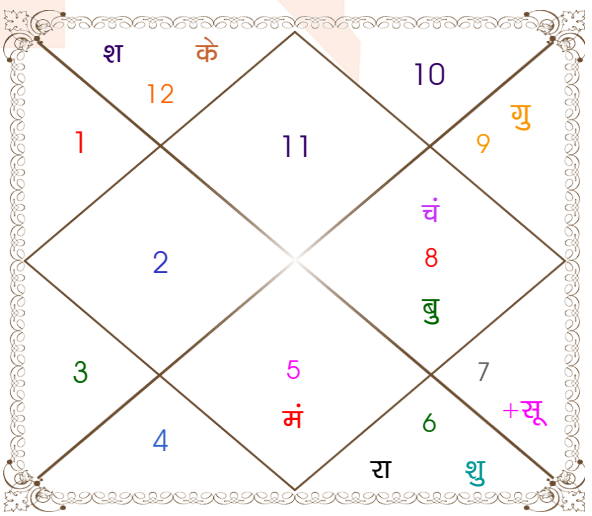

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Punit jain का वर्ग श्वान है तथा छपापजं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Punit jain और छपापजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Punit jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Punit jain कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छपापजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि छपापजं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Punit jain कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Punit jain तथा छपापजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।